

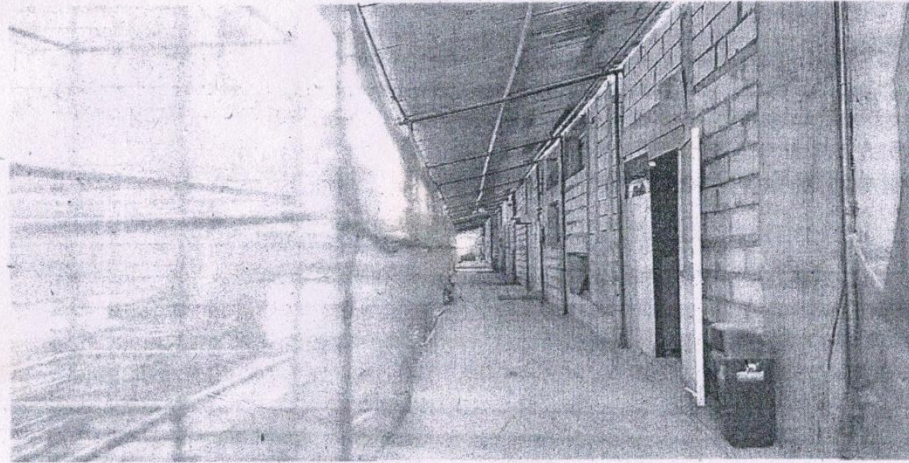
नया कैम्पस बना मुसीबत : शिकायत करने पर डीन ने शोधार्थियों को दी ग्रांट रोकने की धमकी

आईआईटी में प्रदूषण के बीच छात्रों का शोध

इंदौर। अक्षय बाजपेयी

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) का नया कैम्पस विद्यार्थियों के लिए मुसीबत बन गया है। प्रदूषण के बीच पढ़ाई, शोध करने के कारण विद्यार्थी एलर्जी का शिकार हो रहे हैं। यही नहीं छात्रों ने जब शिकायत डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर से की तो उन्होंने इसकी चर्चा किसी से नहीं करने और शोधार्थियों को ग्रांट रोकने की धमकी दे डाली।

आईआईटी प्रबंधन ने सिमरोल स्थित नया कैम्पस पूरा तैयार किए बिना ही यहां विद्यार्थियों को भेज दिया। नतीजा यह है कि दिनभर धूल के गुबार के बीच विद्यार्थियों को पढ़ाई करना पड़ रही है। करोड़ों रुपए की मशीनें निर्माणाधीन इमारत में रख दी गईं। मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कम्प्यूटर साइंस की लैब में निर्माण कार्य चल रहा है। विद्यार्थी मास्क पहनकर शोध करने को मजबूर हैं।



आईआईटी को सिमरोल में इस तरह अधूरे निर्माण के बीच शुरू कर दिया गया है।

30 इमारतों में से आधी भी तैयार नहीं

शहर से 25 किमी दूर इस कैम्पस में करीब 30 इमारतें बनना हैं। हालात ऐसे हैं कि आधी इमारतें भी पूरी नहीं हो सकी। पीएसीएल व आईआईटी स्थित कैम्पस को आईआईटी प्रबंधन पहले ही खाली कर

चुका है। नए कैम्पस की हालत इतनी खराब है कि अभी तक सड़कें भी तैयार नहीं हुईं। बिना बस के विद्यार्थी इधर से उधर जा भी नहीं सकते। लैब में विद्यार्थियों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा।

आईआईटी के फैकल्टी, पीएचडी स्कॉलर्स व विद्यार्थी अभी बायपास स्थित सिल्वर स्प्रिंग टाउनशिप में रह रहे हैं। पीएचडी स्कॉलर्स को हर माह 25 हजार रुपए का स्टाइपेंड दिया जाता है। इसमें

कुछ परेशानियां हैं

कैम्पस में निर्माण चल रहा है। इससे कुछ परेशानियां सभी के लिए हैं। एचआरए बंद करने का निर्णय नियमों के तहत लिया गया है। कुछ दिनों में समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

—डॉ. निर्मला मेनन, प्रोफेसर, आईआईटी, इंदौर

पीआरओ से बात करिए

मैं इस बारे में कोई बात नहीं कर सकता। हमारे यहां पीआरओ ही जानकारी देते हैं। आप उनसे बात करिए।

—डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, डीन स्टूडेंट वेलफेयर

सांभर में कीड़ा निकलने की भी शिकायत प्रबंधन ने अब तक नहीं की कार्रवाई

इंदौर (नप्र)। आईआईटी के कैफेटेरिया में दिए जाने वाले खाने में कीड़ा निकलने की शिकायत भी विद्यार्थी कर चुके हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि 16 जून को कैफेटेरिया से लिए सांभर में कीड़ा निकला था। शिकायत जिमखाना के माध्यम से प्रबंधन को की थी, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं की गई। पीआरओ डॉ. निर्मला मेनन का कहना है कि मुझे शिकायत की जानकारी नहीं है। यदि ऐसा हुआ है तो कोई न कोई पूरे मामले को देख रहा होगा।

अगस्त से एचआरए कर दिया जाएगा बंद

से 5 प्रतिशत यानी 5 हजार रुपए प्रतिमाह हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) दिया जा रहा था, लेकिन आईआईटी प्रबंधन अगस्त से स्कॉलर्स को एचआरए नहीं देने का फरमान जारी कर चुका है।